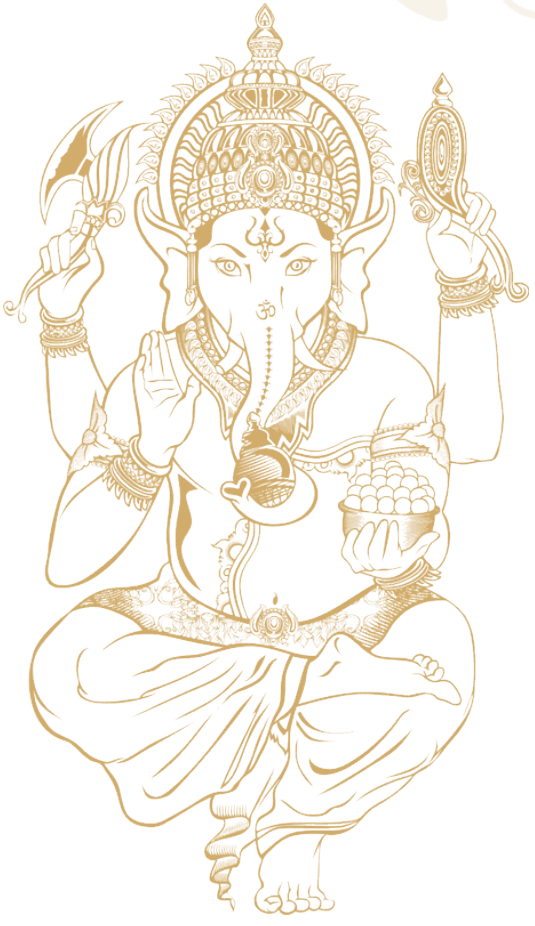

Mr.Vaibhav kadel

Ms.Suman

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120153302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/10/1999	जन्म तिथि	09/06/2004
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 13:57:00	जन्म समय	19:35:00 घंटे
घटी 18:03:00	जन्म समय(घटी)	34:36:21 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jodhpur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:47	सूर्योदय	05:44:27
17:58:40	सूर्यास्त	19:29:09
23:51:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 0मा 6दि		21:33:00	मक	लग्न	वृश्चि	27:19:10	गुरु 13वर्ष 5मा 21दि	
गुरु		10:37:01	तुला	सूर्य	वृष	25:08:35	शनि	
04/11/2021		29:00:41	वृष	चंद्र	कुंभ	22:06:16	30/11/2017	
04/11/2037		14:22:45	धनु	मंगल	मिथु	27:05:03	30/11/2036	
गुरु	23/12/2023	04:23:50	वृश्चि	बुध	वृष	14:03:46	शनि	03/12/2020
शनि	05/07/2026	05:27:32	मेष व	गुरु	सिंह	16:49:18	बुध	13/08/2023
बुध	10/10/2028	24:08:58	सिंह	शुक्र व	वृष	23:12:20	केतु	21/09/2024
केतु	16/09/2029	20:35:22	मेष व	शनि	मिथु	19:12:25	शुक्र	21/11/2027
शुक्र	17/05/2032	14:48:05	कर्क व	राहु व	मेष	16:41:01	सूर्य	02/11/2028
सूर्य	05/03/2033	14:48:05	मक व	केतु व	तुला	16:41:01	चन्द्र	04/06/2030
चन्द्र	05/07/2034	19:01:24	मक	हर्ष	कुंभ	12:52:46	मंगल	13/07/2031
मंगल	11/06/2035	07:47:39	मक	नेप व	मक	21:20:14	राहु	19/05/2034
राहु	04/11/2037	15:10:07	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:02:25	गुरु	30/11/2036

लग्न-चलित

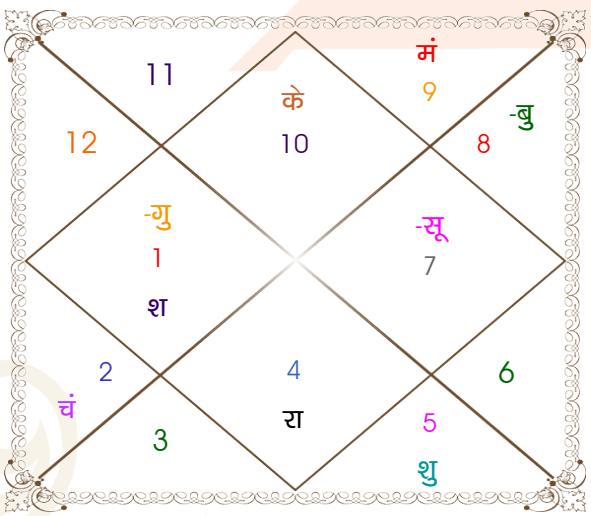

लग्न-चलित

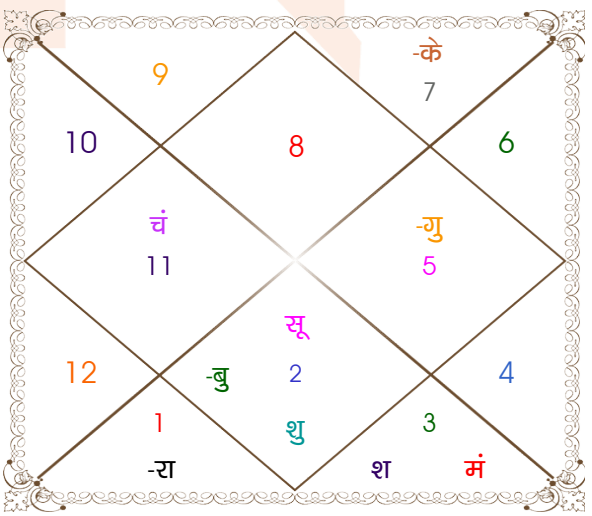

Pandit Sanjay Joshi
90,Amar Nagar, Pal Road
Jodhpur, Rajasthan, India
9214632011
panditsanjay.joshi@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

डतण्टंपईंअ ंकमस का वर्ग मृग है तथा Ms.Suman का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्टंपईंअ ंकमस और Ms.Suman का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्टंपईंअ ंकमस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्टंपईंअ ंकमस कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Suman मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

Pandit Sanjay Joshi
90,Amar Nagar, Pal Road
Jodhpur, Rajasthan, India
9214632011
panditsanjay.joshi@gmail.com

क्योंकि राहु Ms.Suman कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्टंपईंअ ंकमस तथा Ms.Suman में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pandit Sanjay Joshi
90,Amar Nagar, Pal Road
Jodhpur, Rajasthan, India
9214632011
panditsanjay.joshi@gmail.com